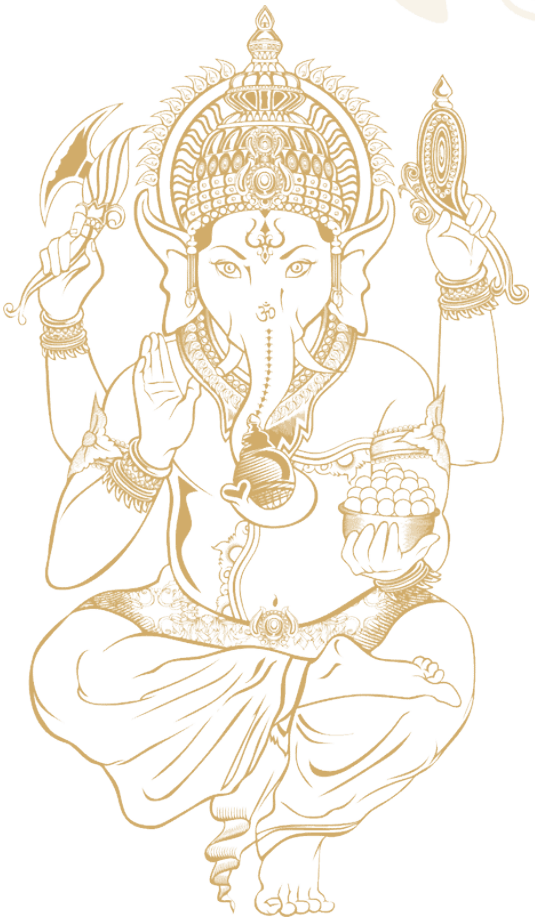

Chirag Taniya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121234408

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
14-15/12/2000 :	जन्म तिथि	: 04/09/2002
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 06:46:00 :	जन्म समय	: 10:50:00 घंटे
घटी 58:51:44 :	जन्म समय(घटी)	: 11:56:47 घटी
India :	देश	: India
Samana :	स्थान	: Ludhiana
30:09:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:56:00 उत्तर
76:15:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:00 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:13:18 :	सूर्योदय	: 06:04:14
17:26:40 :	सूर्यास्त	: 18:46:29
23:51:57 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 12वर्ष 4मा 3दि		22:28:41	वृश्चि	लग्न	तुला	18:03:39	शनि 12वर्ष 9मा 6दि	
शुक्र		29:30:09	वृश्चि	सूर्य	सिंह	17:37:33	बुध	
18/04/2020		20:19:12	कर्क	चंद्र	कर्क	07:42:24	11/06/2015	
18/04/2040		01:02:40	तुला	मंगल	सिंह	09:40:53	11/06/2032	
शुक्र	19/08/2023	23:31:18	वृश्चि	बुध	कन्या	14:31:17	बुध	07/11/2017
सूर्य	18/08/2024	10:03:37	वृष व	गुरु	कर्क	13:15:44	केतु	04/11/2018
चन्द्र	19/04/2026	13:54:25	मक	शुक्र	तुला	02:52:33	शुक्र	04/09/2021
मंगल	19/06/2027	01:40:12	वृष व	शनि	मिथु	03:57:00	सूर्य	12/07/2022
राहु	19/06/2030	21:45:38	मिथु	राहु व	वृष	19:46:40	चन्द्र	11/12/2023
गुरु	17/02/2033	21:45:38	धनु	केतु व	वृश्चि	19:46:40	मंगल	07/12/2024
शनि	18/04/2036	24:02:17	मक	हर्ष व	कुंभ	02:22:08	राहु	27/06/2027
बुध	17/02/2039	10:54:13	मक	नेप व	मक	14:51:06	गुरु	02/10/2029
केतु	18/04/2040	19:16:26	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:01:54	शनि	11/06/2032

लग्न-चलित

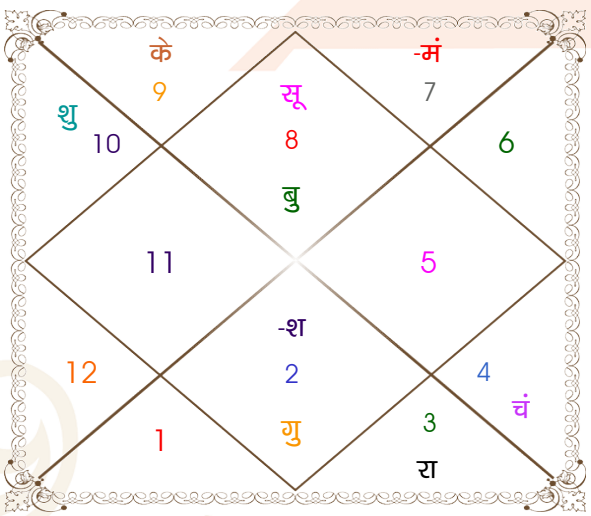

लग्न-चलित

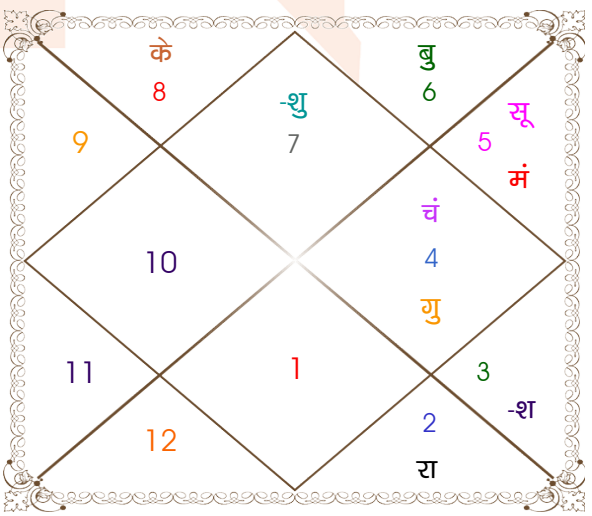

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

Chirag का वर्ग श्वान है तथा Taniya का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Chirag और Taniya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Chirag मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Chirag कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Taniya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Taniya कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Chirag तथा Taniya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।